

hon. Member whose question has been allowed. Whether the hon. Minister takes objection to it or not, this is a serious reflection upon the hon. Member.

Mr. Speaker: I quite agree, and it is very objectionable that such a language should be used. The hon. Member should take care in future.

SHORT NOTICE QUESTION

Starvation Death in Mysore State

S.N.Q. 6. Shri Linga Reddy: Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there were two starvation deaths on account of famine conditions in Mulbagal Taluk, Kolar District, Mysore State according to a news-item published in the "Prajavani" dated the 16th November, 1965; and

(b) if so, the action taken by Government to provide the famine-stricken people with employment and foodgrains at cheap rates?

The Minister of Food and Agriculture (Shri C. Subramaniam): (a) No, Sir.

(b) The State Government are taking all possible measures to relieve the distress caused by scarcity conditions.

श्री बागड़ी : मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है ।

अध्यक्ष महोदय : मैं इजाजत नहीं देता हूँ । व्यवस्था का कोई प्रश्न नहीं है ।

श्री बागड़ी : मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । इस देश में कौन भूख से मरता है और कौन कम खा कर मरता है या कौन मरक व्रत रख कर मरता है, इसके बारे में मेरा व्यवस्था का प्रश्न है ।

अध्यक्ष महोदय : व्यवस्था का प्रश्न नहीं उठता है ।

श्री बागड़ी : मेरी बात धाय सुन लें ।

अध्यक्ष महोदय : मैं उधर उनको बुला रहा हूँ । उनको मुझे बुलाने दीजिये ।

Shri Linga Reddy: May I know whether investigation has been made to find out the truth of the news item in the local daily, Prajavani, dated 16th November, 1965; if so, with what result?

Shri C. Subramaniam: The question itself relates to that and we made an enquiry with the Mysore Government. They made an enquiry with reference to the publication of this news item in Prajavani and they have sent a telegram that there is absolutely no basis for this news item.

श्री बागड़ी : इसके बारे में मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है ।

अध्यक्ष महोदय : मैं पंजाब कर रहा हूँ । मैं हाउस की सम्मति चाहता हूँ कि जब क्वेश्चन धावर में फिनांस व व्यवस्था का प्रश्न कोई उठायेगा, प्लांट धाफ धाईर उठायेगा, वह मेरी धाई कंठ नहीं कर सकेगा बाकी सारे घंटे भर में ।

श्री बागड़ी : मैं इसके लिए स्वाहिसमन्द नहीं हूँ । मैं तो धापकी व्यवस्था चाहता हूँ ।

Shri Linga Reddy: Has the Chief Minister of Mysore addressed letters to you, Sir, and also asked the Finance Minister and the Prime Minister....

Shri C. Subramaniam: Sir, I am not able to hear the hon. Member.

Mr. Speaker: There is too much noise. Would the hon. Member kindly resume his seat? Let the hon. Members observe silence; then alone I will proceed with the business and not otherwise.

Yes, Shri Linga Reddy may put his question.

Shri Linga Reddy: Has the Chief Minister of Mysore addressed letters

to you, Sir, and also requested the Finance Minister and the Prime Minister, stating that the people are on the verge of starvation, to send Rs. 20 crores towards famine relief as grant and also that 11 lakh tons of foodgrain should be made available?

Shri C. Subramaniam: I have received a letter from the Chief Minister of Mysore—he has written to the Finance Minister also—asking for aid to tide over the food situation. As far as foodgrains are concerned, we are trying to deliver as much quantities as possible, with reference to the availability and also with reference to the demands from other States. As far as the request for Rs. 20 crores is concerned, it is under the consideration of the Finance Ministry.

श्री बागड़ी : मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है। भूखमरी के बारे में जो जवाब दिया गया उसके बारे में मैं आप से एक निवेदन करना चाहता हूँ। भूखमरी का मतलब मंत्री महोदय क्या सिर्फ मरण व्रत को लेते हैं, प्रण करके जो भ्रम या कोई चीज न खाये और मर जाये, उसको भूखमरी समझते हैं। लेकिन दरभ्रल भूखमरी सिर्फ मरण व्रत नहीं है। कम खाना, न खाना, कम खाने के मुताबिक उसको रोज उतनी खुराक न मिलना जिस से वह जीवित रहे, खुराक की कमी से मर जाये या न खाने के मुताबिक अगर उसको दो दिन में एक दफा या तीन दिन में दो दफे उसे खाना न मिले अच्छी तरह से तब उसकी मृत्यु हो जाये तो यह भी भूखमरी है। दस, बारह लाख आदमी इन दोनों भूखमरियों के कारण मरते हैं। इसके सम्बन्ध में मैं आप से व्यवस्था चाहता हूँ। जब मंत्री महोदय भूखमरी के बारे में बयान दें तो कम खाने या न खाने के बिना पर जो भूखमरी होती है उस को भी बतला दें। जो यह भूखमरी होती है उसकी एन्क्वायरी सिर्फ सरकार के अफसर करते हैं और सरकार को इसका जवाब देना पड़ता है। इसलिये अगर कोई मृत्यु भूखमरी के कारण

हो तो उसकी बाकायदा घदालत से जांच होनी चाहिये ताकि सरकार अपने फेल को छिपा न सके। इस पर मैं आप की व्यवस्था चाहता हूँ।

अध्यक्ष महोदय : यह व्यवस्था किस घाटिकल या रूल के नीचे होगी, यह भी बतला दीजिये। क्या शुरू से आखिर तक जाऊँ और उसके बाद आप को बतलाऊँ।

श्री बागड़ी : आप को तो सब याद है।

अध्यक्ष महोदय : बिला वजह यह सवाल किया गया। यह प्वाइंट ऑफ ऑर्डर नहीं है। इसका जवाब मुझ से सम्बन्ध नहीं रखता। यह फिबोलस है और मैं अगर देना हूँ कि इसके बाद ऐसा सवाल नहीं आना चाहिये।

श्री बागड़ी : आप इस को गैर जरूरी समझते हैं जब देश . . .

अध्यक्ष महोदय : मैं प्रार्गुमेंट्स पसन्द नहीं करूँगा। आखिर मुझे फंसला देना है या नहीं। मैं ने फंसला दे दिया है।

श्री बागड़ी : मैं ने आप से दरखास्त की है . . .

अध्यक्ष महोदय : अब आप चुप रहेंगे या नहीं।

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, . . .

अध्यक्ष महोदय : अब आप बैठ जाइये।

श्री बागड़ी : मैं कुछ कहता हूँ तो आप नाराज हो जाते हैं।

अध्यक्ष महोदय : मैं नाराज कैसे न हूँऊँ जब आप कहना नहीं मानते।

श्री बागड़ी : मैं तो आप की बात को टालना ही नहीं।

Shri S. M. Banerjee: I would like to know whether it is a fact that there have been some surveys by the Union Food Ministry with the help of the

State Governments into the famine conditions and scarcity conditions in some of the States, including Mysore, whether any reports have been submitted, and what steps have been taken by the Central Government to remove those conditions?

SUSPENSION OF MEMBER

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, आप तो पंजाब

अध्यक्ष महोदय : अगर मेम्बर माहब रुकते नहीं हैं और प्रोसीडिंग्स को इंटरप्ट करते हैं तो मैं उन से कहूंगा कि वह बाहर चले जायें ।

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, मैं आप का हुक्म न मानूँ तब तो आप कह सकते हैं । मैं चुप बैठ जाता हूँ ।

अध्यक्ष महोदय : मैं ने कहा कि आप बाहर चले जायें । . . . मैं आप से पूछता हूँ कि आप बाहर जायेंगे या नहीं ।

श्री बागड़ी : इस तरह से तो ठीक नहीं है ।

श्री मधु लिमये : वह चुप बैठ रहे हैं ।

अध्यक्ष महोदय : मैं इस बात को नहीं मान सकता । माननीय सदस्य बाहर जाते हैं या नहीं ।

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, मेरी .

अध्यक्ष महोदय : आप बाहर जायेंगे या नहीं ।

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, . . .

अध्यक्ष महोदय : आप मेरे कहने के बावजूद

श्री बागड़ी : राजस्थान, पंजाब और मध्य प्रदेश में लोग भूखों मर रहे हैं, इस बारे में

अध्यक्ष महोदय : मेरे कहने के बावजूद .

श्री किशन पटनायक : आप एक बात नो मुन लीजिये ।

अध्यक्ष महोदय : मेरे कहने के बावजूद श्री बागड़ी बाहर जाने के लिये तैयार नहीं

हैं । मैं उन्हें नेम करता हूँ । माननीय सदस्य श्री बागड़ी मेरी प्रचारिटी को प्लाउट कर रहे हैं, उन में मैं ने बाहर जाने के लिये कहा लेकिन वह मानने के लिये तैयार नहीं है ।

श्री किशन पटनायक : आप एक बात तो मुन लीजिये ।

The Minister of Communications and Parliamentary Affairs (Shri Satya Narayan Saha): Sir, I beg to move:

"That Shri Maniram Bagri, a Member of this House and named by the Speaker, be suspended from the service of this House for three days".

Mr. Speaker: The question is . . .

श्री मधु लिमये : आप एक बात मुन लीजिये ।

Mr. Speaker: The question is:

"That Shri Maniram Bagri, a Member of this House and named by the Speaker, be suspended from the service of this House for three days".

The Lok Sabha divided:

श्री किशन पटनायक : अध्यक्ष महोदय, मेरी एक बात मुन लीजिये ।

श्री मधु लिमये : प्रस्ताव की वापस लिया जाये । मशीन काम नहीं कर रही है ।

Mr. Speaker: I am calling for division again. Members should be ready in their seats with both hands ready to operate.

The question is:

"That Shri Maniram Bagri, a Member of this House and named by the Speaker, be suspended from the service of this House for three days."

The Lok Sabha divided: